www.railsamacharbureauald.com

सम्पूर्ण भारतीय रेल जगत का प्रथम पाक्षिक, प्रयागराज से प्रकाशित

रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

"रेलवे की पटरियाँ केवल लोहे की नहीं, ये संस्कृतियों और विकास की रेखाएँ हैं"

"जब पटरी पर दौड़ती है रेल, तो साथ दौड़ते हैं सपने और संकल्प"

वर्ष-35 अंकः13 रेल समाचार ब्यूरो प्रयागराज 01-15 जुलाई 2025 पृष्ठ 08 मूल्यः20 रु. मात्र + डाक खर्च (रंगीन सहित)

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के सीवान में 5,200 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया।

मुजफ्फरपुर और बेतिया के रास्ते पाटलिपुत्र और गोरखपुर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी

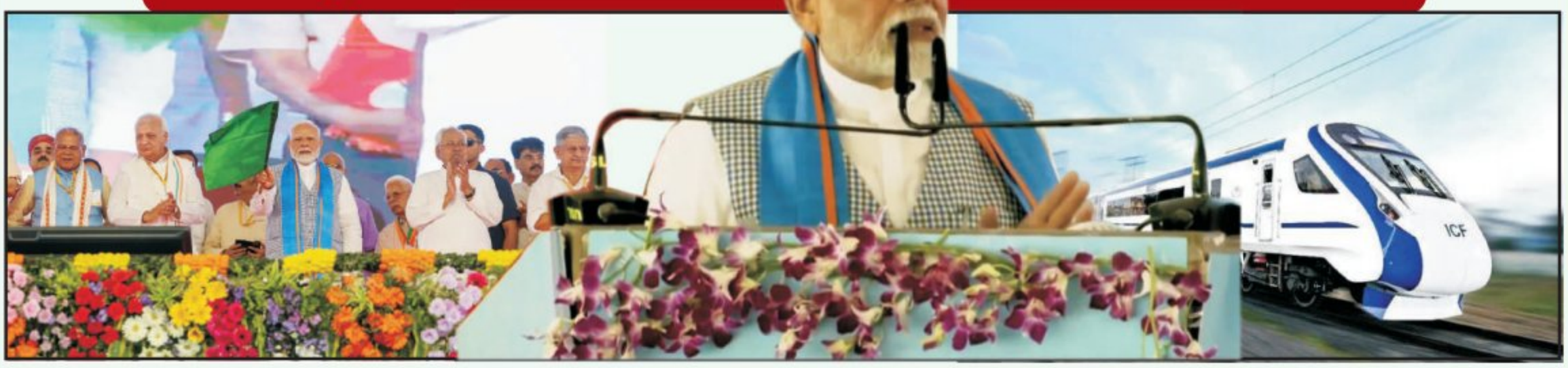

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 20 जून, 2025 को बिहार के सीवान में 5,200 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली अनेक विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। सभा को संबोधित करते हुए बाबा महेन्द्रनाथ और बाबा हंसनाथ को नमन किया गया तथा सोहगरा धाम की पवित्र उपस्थिति का आह्वान किया गया। उन्होंने मां थावे भवानी एवं मां अंबिका भवानी को भी नमन किया। इसके साथ ही उन्होंने देश के प्रथम राष्ट्रपति देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद एवं लोकनायक जयप्रकाश नारायण को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री मोदी ने प्रसन्नता व्यक्त की कि इन महान विभूतियों के विचारों को केंद्र एवं राज्य सरकारें पूरी निष्ठा से आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने बताया कि जिन हजारों करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया गया, वे बिहार को एक उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाने वाली हैं और गरीब, वंचित, दलित, महादलित, पिछड़े एवं अति पिछड़े वर्गों के जीवन को बेहतर बनाएंगी। इन परियोजनाओं के लिए बिहारवासियों को हार्दिक बधाई। उन्होंने मढ़ौरा लोकोमोटिव फैक्ट्री का विशेष रूप से उल्लेख किया और बताया कि यहां निर्मित पहला इंजन अब अफ्रीका को निर्यात किया गया है। यह दर्शाता है कि बिहार अब वैश्विक निर्माण मानचित्र पर उभर रहा है। बिहार के बने इंजन अब अफ्रीका में ट्रेनों को शक्ति देंगे। जल्द ही पटना-गोरखपुर वंदे भारत एक्सप्रेस प्रारंभ करने की भी घोषणा की गई, जो बाबा हरिहरनाथ और बाबा गोरखनाथ की धरती को जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी बनेगी। क्षेत्र में रेलवे के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देते हुए, प्रधानमंत्री ने 400 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली नई वैशाली देवरिया रेलवे लाइन परियोजना का उद्घाटन किया और इस मार्ग पर एक नई ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाई। इसके अतिरिक्त, उत्तर बिहार में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री ने मुजफ्फरपुर और बेतिया के रास्ते पाटलिपुत्र और गोरखपुर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाई।

ग्वालियर से प्रारम्भ होकर बेंगलुरु जाने वाली पहली ट्रेन का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ

ग्वालियर और दक्षिण भारत के स्थितों को मजबूत करेगी यह नई ट्रेनः श्री अश्विनी वैष्णव

सूत्र/रे.स.ब्यू- केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने ग्वालियर से बेंगलुरु के लिए शुरू की गई नई साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन के शुभारंभ किया। इस अवसर पर रेल भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मध्य प्रदेश की जनता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह ट्रेन ग्वालियर, गुना, भोपाल सहित मध्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के यात्रियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी, जहाँ से बड़ी संख्या में लोग बेंगलुरु की ओर यात्रा करते हैं। केंद्रीय रेल मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में रेलवे के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति हुई है। एक दशक पूर्व जहाँ राज्य को ₹600 करोड़ के आसपास रेल बजट प्राप्त होता था, वहीं वर्तमान में ₹14,745 करोड़ का रेल बजट आवंटित किया गया है। मध्य प्रदेश में 100 प्रतिशत रेल विद्युतीकरण पूर्ण किया जा चुका है। बीते 11 वर्षों में राज्य में 2,651 किलोमीटर नई रेल पटरियाँ बिछाई गई हैं, जो डेनमार्क जैसे देश के कुल रेल नेटवर्क से भी अधिक है। राज्य में 80 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास कार्य प्रगति पर है, जिनमें ग्वालियर स्टेशन का विकास विशेष वास्तुकला के साथ किया जा रहा है। श्री वैष्णव ने बताया कि ग्वालियर और आगरा के बीच एक नई यात्री ट्रेन सेवा शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही, मध्य प्रदेश में कई महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है। इनमें मनमाड इंदौर नई रेललाइन (309 किमी) ₹18,036 करोड़ की लागत से, भुसावल खंडवा तीसरी और चौथी लाइन ₹3,514 करोड़ की लागत से, मानिकपुर प्रयागराज तीसरी लाइन ₹1,640 करोड़ में तथा रतलाम नागदा तीसरी और चौथी लाइन ₹1,018 करोड़ की लागत से शामिल हैं। बीते एक वर्ष में राज्य में ₹24,000 करोड़ की रेल परियोजनाएँ स्वीकृत की गई हैं, जो मध्य प्रदेश के रेल मानचित्र को पूरी तरह बदल देंगी।

सिंहस्थ कुंभ की तैयारियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि उज्जैन स्टेशन के पुनर्विकास के लिए मास्टर प्लान तैयार है। स्टेशन पर कार्य सिंहस्थ आयोजन के बाद आरंभ किया जाएगा, जिससे यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उज्जैन के साथ ही इंदौर सहित आसपास के अन्य स्टेशनों पर भी कार्य तेजी से चल रहा है। गाड़ी संख्या 11086 ग्वालियर बेंगलुरु एक्सप्रेस प्रत्येक शुक्रवार को दोपहर 15:00 बजे ग्वालियर से प्रस्थान करेगी और नागपुर, काचेगुड़ा, धर्मावरम होते हुए रविवार सुबह 07:35 बजे सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल, बेंगलुरु पहुँचेगी। वापसी में, गाड़ी संख्या 11085 प्रत्येक रविवार को शाम 15:50 बजे बेंगलुरु से रवाना होकर मंगलवार को सुबह 10:25 बजे ग्वालियर पहुँचेगी। यह गाड़ी शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, बीना, भोपाल, बैतूल, नागपुर, सेवाग्राम, चंद्रपुर, बल्लारशाह, सिरपुर कागजनगर, काजीपेट, काचेगुड़ा, महबूबनगर, गडवाल, कुरनूल सिटी, ढोन, अनंतपुर, धर्मावरम, हिंदूपुर और येलहांका स्टेशनों पर रुकेगी। इस साप्ताहिक ट्रेन में कुल 22 एलएचबी कोच होंगे, जिनमें चार सेकंड सिटिंग, चार तृतीय वातानुकूलित, तीन तृतीय वातानुकूलित इकोनॉमी, दो द्वितीय वातानुकूलित तथा शेष स्लीपर श्रेणी के कोच शामिल हैं।

महाकुंभ-प्रयागराज की तरह की व्यवस्थाएं श्रद्धालुओं को उज्जैन और उसके आसपास के स्टेशनों में देखने को मिलेंगी, जिसके लिए अभी से कार्य प्रारंभ कर दिया गया है – श्री अश्विनी वैष्णव

Scanned with OKEN Scanner

कैबिनेट ने पुणे मेट्रो रेल परियोजना चरण-2: वनाज से चांदनी चौक (कॉरिडोर 2ए) और रामवाड़ी से वाघोली/विट्ठलवाड़ी (कॉरिडोर 2बी), मौजूदा पुणे मेट्रो चरण-I (वनाज-रामवाड़ी) के विस्तार को स्वीकृति दी

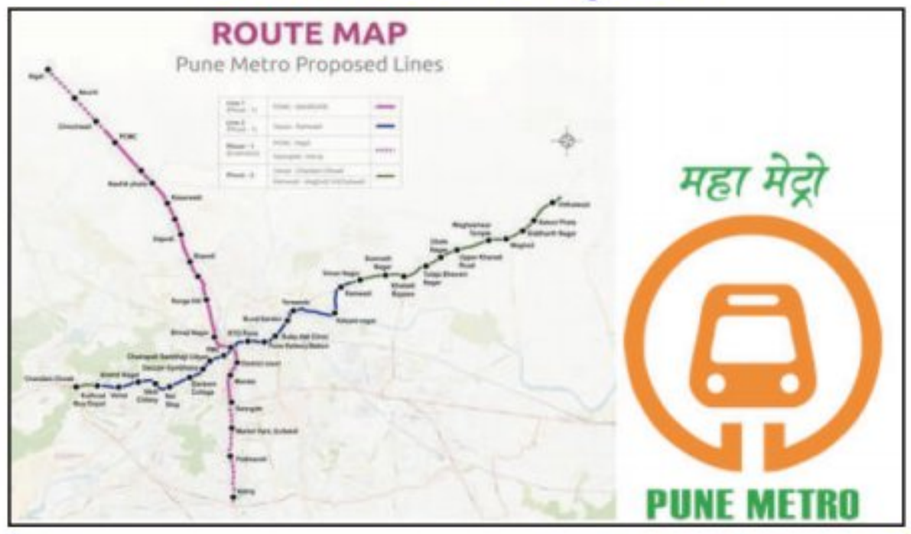

यह विस्तार पुणे की आर्थिक क्षमता को बढ़ाएगा। इसके शहरी परिवहन इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाएगा और महानगरीय क्षेत्र में सतत और समावेशी विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

सूत्र/रे.स.ब्यू- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पुणे मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण: वनाज से चांदनी चौक (कॉरिडोर 2ए) और रामवाड़ी से वाघोली/विट्ठलवाड़ी (कॉरिडोर 2बी) को स्वीकृति दे दी है। यह चरण-1 के तहत मौजूदा वनाज-रामवाड़ी कॉरिडोर का विस्तार है। ये दो एलिवेटेड कॉरिडोर 12.75 किलोमीटर तक फैले होंगे और इनमें 13 स्टेशन शामिल होंगे, जो चांदनी चौक, बावधन, कोथरुड, खराडी और वाघोली जैसे तेजी से विकसित हो रहे उपनगरों को जोड़ेंगे। इस परियोजना को चार साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। परियोजना की अनुमानित लागत 3626.24 करोड़ रुपये है, जिसे भारत सरकार, महाराष्ट्र सरकार और बाहरी द्विपक्षीय/बहुपक्षीय एजेंसियों द्वारा समान रूप से साझा किया जाएगा। यह रणनीतिक प्रस्ताव मौजूदा कॉरिडोर-2 का युक्तिसंगत विस्तार है और व्यापक आवाजाही योजना (सीएमपी) के साथ तालमेल रखता है, जो पुणे में पूर्व से पश्चिम के बीच आम लोगों की सुविधा हेतु परिवहन प्रणाली को मजबूत करने के लिए चांदनी चौक से वाघोली मेट्रो कॉरिडोर तक एक सतत विकास का लक्ष्य रखता है। ये विस्तार प्रमुख आईटी हब, वाणिज्यिक क्षेत्रों, शैक्षणिक संस्थानों और आवासीय क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करेंगे, जिससे पूरे नेटवर्क में सार्वजनिक परिवहन और सवारियों की भागीदारी बढ़ेगी। नए कॉरिडोर जिला न्यायालय इंटरचेंज स्टेशन को लाइन-1 (निगडी-काटराज) और लाइन-3 (हिंजेवाड़ी-जिला न्यायालय) के साथ एकीकृत करेंगे, ताकि निर्बाध मल्टीमॉडल शहरी यात्रा को सक्षम किया जा सके। दीर्घकालिक परिवहन योजना के अंतर्गत, मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों से इंटरसिटी बस सेवाओं को चांदनी चौक के साथ जोड़ दिया जाएगा। इसके अलावा अहिल्या नगर और छत्रपति संभाजी नगर से इंटरसिटी बस सेवाओं को वाघोली में जोड़ा जाएगा। इससे यात्रियों को पुणे की मेट्रो प्रणाली तक आसानी से पहुंचने में मदद मिलेगी। ये विस्तार पौड रोड और नगर रोड जैसे मुख्य मार्गों पर भीड़भाड़ कम करने में भी मदद करेंगे, जिससे सुरक्षित, तेज और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन के विकल्प मिलेंगे। इन गलियारों के पूरा होने के बाद, पूरी लाइन 2 के लिए अनुमानित दैनिक तौर पर सवारियों की निरंतर बढ़ती संख्या वर्ष 2027 में 0.96 लाख, वर्ष 2037 में 2.01 लाख, वर्ष 2047 में 2.87 लाख और वर्ष 2057 में 3.49 लाख होने का अनुमान है। इस परियोजना को महाराष्ट्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (महा-मेट्रो) द्वारा कार्यान्वित किया जाएगा, जो सभी सिविल, इलेक्ट्रो-मैकेनिकल और संबंधित कार्यों को पूरा करेगा। स्थलाकृतिक सर्वेक्षण और विस्तृत डिजाइन संबंधी परामर्श जैसी निर्माण-पूर्व गतिविधियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं।

जोधपुर मंडल ने विकसित किया अत्याधुनिक स्वदेशी सॉफ्टवेयर-ट्रेन गति विश्लेषण हुआ और भी आसान व प्रभावी

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेलवे में तकनीकी नवाचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए, उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल ने पूरी तरह से इन-हाउस (स्वदेशी) रूप से एक उन्नत वेब-आधारित स्पीडो मीटर विश्लेषण सॉफ्टवेयर का सफल विकास किया है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी के अनुसार यह सॉफ्टवेयर ट्रेन संचालन के दौरान उत्पन्न स्पीडो मीटर डेटा का विश्लेषण कर, लोको पायलट की ड्राइविंग तकनीक और गति प्रतिबंधों के अनुपालन की निगरानी करता है। इस नवाचार की पहल जोधपुर मंडल के यांत्रिक विभाग के वरिष्ठ इंजीनियर, जोगेन्द्र मीणा के नेतृत्व में पूर्णतः मंडल स्तर पर विकसित की गई है। उन्होनें ने बताया कि इस सॉफ्टवेयर को दिनांक 21 जून को मुख्यालय जयपुर में आयोजित प्रतिष्ठित 65वीं इलेक्ट्रिकल स्टैंडर्ड्स कमेटी (ESC) बैठक में वरिष्ठ मण्डल यांत्रिक अभियंता (शक्ति)/ जोधपुर, जोगेंद्र मीना द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर रेलवे बोर्ड के सदस्य (कर्षण एवं रोलिंग स्टॉक) श्री बी.एम. अग्रवाल, महाप्रबंधक/उत्तर पश्चिम रेलवे श्री अमिताभ, तथा पूरे भारतीय रेलवे से आए वरिष्ठ विभागाध्यक्ष की उपस्थित रहे। उपरोक्त प्रस्तुति को व्यापक सराहना प्राप्त हुई। यह सॉफ्टवेयर मुख्य लोको निरीक्षक (CLI) को अब मैन्युअल डेटा विश्लेषण की आवश्यकता के बिना, कुछ ही मिनटों में सटीक, विस्तृत एवं ग्राफिकल रिपोर्ट प्रदान करता है। इस प्रणाली से ड्राइविंग पैटर्न, ब्रेकिंग तकनीक एवं गति प्रतिबंधों के पालन की वास्तविक समय में निगरानी संभव हो पाई है। पूर्व में जहां यह विश्लेषण कार्य कई घंटों और भारी मानव संसाधन की मांग करता था, अब यह प्रक्रिया पूर्णतः डिजिटल, तीव्र और अत्यधिक प्रभावी बन चुकी है। यह प्रणाली रेलवे की परिचालन दक्षता, सुरक्षा एवं निगरानी तंत्र को सशक्त करने की दिशा में एक प्रभावशाली कदम सिद्ध हो रही है।

Scan the Code for the Latest Verified
RAILWAYS NEWS ON OUR WEBSITE OR E-PAPER
हमारी वेबसाइट या ई-पेपर पर भारतीय रेलवे के सत्यापित समाचार को पढ़ने के लिए कोड को स्कैन करें
SCAN QR
www.railsamacharbureauald.com

रेलवे ने 1 जुलाई 2025 से यात्री रेल सेवाओं के लिए मूल किराया तर्कसंगत बनाया।

सूत्र/रे.स.ब्यू- साधारण श्रेणी में 500 किलोमीटर तक कोई वृद्धि नहीं, 501 से 1500 किलोमीटर की दूरी के लिए 5 रुपये और 2500 किलोमीटर तक की दूरी के लिए 10 रुपये तथा 2501 से 3000 किलोमीटर की दूरी के लिए 15 रुपये की वृद्धि। किराया ढांचे को सुव्यवस्थित करने और यात्री सेवाओं की वित्तीय स्थिरता को बढ़ाने के उद्देश्य से, रेल मंत्रालय ने 01 जुलाई 2025 से प्रभावी, यात्री ट्रेन सेवाओं के मूल किराए को युक्तिसंगत बनाया है। संशोधित किराए भारतीय रेलवे सम्मेलन संघ (आईआरसीए) द्वारा जारी अद्यतन यात्री किराया तालिका पर आधारित हैं।

किराया युक्तिकरण की मुख्य विशेषताएं (1 जुलाई 2025 से प्रभावी):

उपनगरीय एकल यात्रा किराए और सीजन टिकटों (उपनगरीय और गैर-उपनगरीय दोनों मार्गों के लिए) में कोई बदलाव नहीं।

साधारण गैर-एसी क्लास (गैर-उपनगरीय रेलगाड़ियों) के लिए:

द्वितीय श्रेणी: प्रति किलोमीटर आधा पैसा बढ़ाया गया, बशर्ते कि
- 500 किलोमीटर तक कोई वृद्धि न हो
- 501 से 1500 किलोमीटर की दूरी के लिए 5 रुपये की वृद्धि
- 1501 से 2500 किलोमीटर की दूरी के लिए 10 रुपये की वृद्धि
- 2501 से 3000 किलोमीटर की दूरी के लिए 15 रुपये की वृद्धि
- स्लीपर श्रेणी: प्रति किलोमीटर 0.5 पैसे की वृद्धि
- प्रथम श्रेणी: प्रति किलोमीटर 0.5 पैसे की वृद्धि

मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों (गैर-एसी) के लिए:
- द्वितीय श्रेणी: 01 पैसा प्रति किलोमीटर की वृद्धि
- स्लीपर श्रेणी: 01 पैसा प्रति किलोमीटर की वृद्धि
- प्रथम श्रेणी: 01 पैसा प्रति किलोमीटर की वृद्धि

एसी क्लास (मेल/एक्सप्रेस ट्रेनें) के लिए:
- एसी चेयर कार, एसी 3-टियर/3-इकोन मी, एसी 2-टियर और एसी फर्स्ट/एग्जीक्यूटिव क्लास/एग्जीक्यूटिव अनुभूति: 02 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी

किराए में संशोधन राजधानी, शताब्दी, दुरंतो, वंदे भारत, तेजस, हमसफर, अमृत भारत, महामना, गतिमान, अंत्योदय, जन शताब्दी, युवा एक्सप्रेस, एसी विस्टाडोम कोच, अनुभूति कोच और साधारण गैर-उपनगरीय सेवाओं जैसी प्रीमियर और विशेष ट्रेन सेवाओं पर भी लागू होता है, जो संशोधित श्रेणी-वार किराया संरचना के अनुसार है।

सहायक शुल्कों में कोई बदलाव नहीं:
- आरक्षण शुल्क, सुपरफास्ट अधिभार और अन्य शुल्क अपरिवर्तित रहेंगे।
- जीएसटी लागू नियमों के अनुसार लगाया जाता रहेगा।
- किराया राउंडिंग सिद्धांत मौजूदा मानदंडों के अनुसार बने रहेंगे।

संशोधित किराया 01.07.2025 को या उसके बाद बुक किए गए टिकटों पर लागू होगा। इस तिथि से पहले जारी किए गए टिकट बिना किसी किराया समायोजन के मौजूदा किराए पर वैध रहेंगे। पीआरएस, यूटीएस और मैनुअल टिकटिंग सिस्टम को तदनुसार अपडेट किया जा रहा है। रेल मंत्रालय ने संशोधित किराया संरचना के सुचारू कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए सभी क्षेत्रीय रेलवे को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। क्षेत्रीय रेलवे को सभी स्टेशनों पर किराया डिस्प्ले अपडेट करने का भी निर्देश दिया गया है।

यात्री सुविधा और स्मार्ट टिकटिंग पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारतीय रेलवे यात्री आरक्षण प्रणाली को बहुभाषी बनाएगी नई पीआरएस प्रणाली में टिकट पूछताछ क्षमता दस गुना बढ़कर - 4 लाख से 40 लाख प्रति मिनट हो जाएगी

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेलवे संपूर्ण यात्रा अनुभव को यात्री-केंद्रित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। रेलवे के साथ एक यात्री की यात्रा टिकट आरक्षण के चरण से शुरू होती है। रेलवे टिकट बुकिंग को आसान बनाने के लिए कई कदम उठा रहा है। रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में इन सुधारों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि टिकट प्रणाली स्मार्ट, पारदर्शी, सुलभ और कुशल होनी चाहिए। योजनाओं में यात्रियों की सुविधा पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। यह प्रणाली हमारे यात्रियों के लिए एक सहज और आरामदायक यात्रा अनुभव सुनिश्चित करेगी।

बेहतर और उन्नत चार्टिंग से यात्रा योजनाओं को लेकर निश्चितता होगी

चार्टिंग: वर्तमान में, ट्रेन के प्रस्थान से चार घंटे पहले आरक्षण चार्ट तैयार किया जाता है। यह यात्रियों के मन में अनिश्चितता पैदा करता है। यात्री जब ट्रेन पकड़ने के लिए पास के क्षेत्र से आते हैं तो यह अनिश्चितता गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है। इस अनिश्चितता को दूर करने के लिए रेलवे बोर्ड ने प्रस्थान से आठ घंटे पहले आरक्षण चार्ट तैयार करने का प्रस्ताव रखा है। 14:00 बजे से पहले प्रस्थान करने वाली ट्रेनों के लिए, चार्ट पिछले दिन ही 21:00 बजे तैयार किया जाएगा। रेल मंत्री ने इस प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की और बोर्ड को इसे चरणों में लागू करने का निर्देश दिया ताकि कोई व्यवधान न हो। यह कदम प्रतीक्षा सूची टिकट वाले यात्रियों के लिए अनिश्चितताओं को कम करेगा। यात्रियों को प्रतीक्षा सूची की स्थिति के बारे में पहले ही जानकारी मिल जाएगी। यह लंबी दूरी की ट्रेनों को पकड़ने के लिए प्रमुख शहरों के दूरदराज के स्थानों या उपनगरों से यात्रा करने वाले यात्रियों को लाभान्वित करेगा। यह प्रतीक्षा सूची की पुष्टि नहीं होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए अधिक समय भी प्रदान करेगा।

आधुनिक यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) दिसंबर 2025 तक: रेल मंत्री श्री वैष्णव ने यात्री आरक्षण प्रणाली के अपग्रेडेशन की समीक्षा की। इस परियोजना को पिछले कुछ महीनों से क्रिस (रेल सूचना प्रणाली केंद्र) द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है। नया उन्नत पीआरएस डिजाइन तेज, लचीला और वर्तमान लोड से दस गुना अधिक भार संभालने में सक्षम है। इससे टिकट बुक करने की क्षमता में काफी वृद्धि होगी। नए पीआरएस से प्रति मिनट 1.5 लाख से अधिक टिकट बुकिंग की सुविधा मिलेगी। यह वर्तमान पीआरएस में 32,000 टिकट प्रति मिनट से लगभग पांच गुना अधिक होगा। टिकट पूछताछ क्षमता भी दस गुना बढ़ जाएगी, यानी 4 लाख से 40 लाख प्रति एक मिनट में जांच संभव हो सकेगी। नए पीआरएस में बहुभाषी और उपयोगकर्ता के अनुकूल बुकिंग और पूछताछ इंटरफेस भी है। नए पीआरएस में, उपयोगकर्ता अपनी पसंदीदा सीट का चयन करने और किराया कैलेंडर देखने में सक्षम होंगे। इसमें दिव्यांगजनों, छात्रों, रोगियों आदि के लिए भी एकीकृत सुविधाएं हैं। "तत्काल बुकिंग" के लिए व्यवस्थित प्रमाणीकरण - भारतीय रेलवे 1 जुलाई 2025 से केवल सत्यापित उपयोगकर्ताओं को ही आईआरसीटीसी वेबसाइट और मोबाइल ऐप पर "तत्काल टिकट बुक" करने की अनुमति देगा। इसके अतिरिक्त, जुलाई 2025 के अंत से तत्काल बुकिंग के लिए ओटीपी-आधारित सत्यापन लागू किया जाएगा। रेल मंत्री ने अधिकारियों को तत्काल बुकिंग के लिए ऑथेंटिकेशन मैकेनिज्म को व्यापक बनाने का निर्देश दिया। यह प्रमाणीकरण आधार या उपयोगकर्ता के डिजिलॉकर खाते में उपलब्ध किसी अन्य सत्यापन योग्य सरकारी पहचान पत्र का उपयोग करके किया जाना चाहिए।

मोतिहारी में माननीय सांसद श्री राधामोहन सिंह जी के साथ पूर्वी चंपारण संसदीय क्षेत्र में चल रहे रेल परियोजनाओं की प्रगति पर एक समीक्षा बैठक।

सूत्र/रे.स.ब्यू- मोतिहारी में दिनांक 28.06.2025 को माननीय सांसद श्री राधामोहन सिंह की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें पूर्वी चंपारण संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत चल रही विभिन्न रेल परियोजनाओं पर गहन चर्चा की गई। इस बैठक में माननीय गन्ना उद्योग मंत्री, बिहार श्री कृष्ण नंदन पासवान, माननीय विधायक श्री प्रमोद कुमार एवं श्याम बाबू यादव तथा रेलवे की ओर से महाप्रबंधक सहित मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण/उत्तर) श्री राम जन्म, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (आरएसपी) श्री सुरेंद्र कुमार, प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर श्री आर.आर. प्रसाद, प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक श्रीमती इंदू रानी दूबे, मंडल रेल प्रबंधक, समस्तीपुर श्री विनय श्रीवास्तव सहित मुख्यालय एवं मंडल के अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए माननीय सांसद श्री राधामोहन सिंह ने पाटलिपुत्र-गोरखपुर वंदे भारत के परिचालन हेतु माननीय प्रधानमंत्री एवं रेल मंत्री जी को धन्यवाद दिया। उन्होंने बैठक के दौरान बापूधाम मोतिहारी स्टेशन के पुनर्विकास कार्य, बापूधाम मोतिहारी में यार्ड रीमॉडलिंग, जीवधारा स्टेशन पर वाशिंग पिट का निर्माण, जीवधारा एवं बापूधाम मोतिहारी के मध्य आरओबी तथा लाइट आरओबी के निर्माण आदि पर विस्तृत रूप से चर्चा की। उन्होंने हाजीपुर-सगौली नई लाइन को पूरा करने हेतु कार्य में तेजी लाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में कई बड़े प्रोजेक्ट पर कार्य चल रहे हैं, इसके साथ ही इस क्षेत्र में चल रहे छोटे प्रोजेक्ट पर भी ध्यान देते हुए उन्हें समय पर पूरा किया जाना चाहिए। बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने माननीय सांसद एवं अन्य अतिथिगण का स्वागत करते हुए कहा कि इस बैठक में पूर्वी चंपारण संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत विगत कुछ वर्षों में संपन्न कार्यों एवं चल रहे कार्यों की समीक्षा हेतु उपस्थित हुए हैं। मुझे विश्वास है कि इस बैठक के दौरान महत्वपूर्ण एवं मूल्यवान सुझाव प्राप्त होंगे जो हमें और बेहतर कार्य करने हेतु मार्गदर्शन देंगे। उन्होंने विगत वर्षों में पूर्वी चंपारण संसदीय क्षेत्र में किए गए कार्यों से माननीय सांसद महोदय को अवगत कराते हुए कहा कि पूर्वी चंपारण संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विभिन्न स्टेशनों पर विगत कई वर्षों में लगभग 616 करोड़ रुपये की लागत से यात्री सुविधा से संबंधित कई महत्वपूर्ण कार्य संपन्न किए गए हैं तथा कई कार्य प्रगति पर हैं, जिन पर लगभग 299 करोड़ रुपये की लागत आने की संभावना है। मेहसी स्टेशन पर 07, पिपरा स्टेशन पर 08 तथा चकिया स्टेशन पर 03 लंबी दूरी की मेल/एक्सप्रेस गाड़ियों का ठहराव प्रदान किया गया तथा 03 नई गाड़ियों का परिचालन किया गया। वर्तमान में दिनांक 20.06.2025 को माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा गोरखपुर-पाटलिपुत्र वंदे भारत एक्सप्रेस का शुभारंभ किया गया है, जिसका ठहराव बापूधाम मोतिहारी स्टेशन पर दिया गया है। इसके साथ ही लगभग 2067 करोड़ रुपये की लागत से 150 किलोमीटर लंबे सगौली-हाजीपुर नई रेल लाइन निर्माण का कार्य प्रगति पर है, जिसका 65 किलोमीटर भाग पूर्वी चंपारण संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जिसके निर्माण पर लगभग 895 करोड़ रुपये की लागत आने की संभावना है।

Scanned with OKEN Scanner

गोरखपुर जंक्शन के पुनर्विकास कार्यों का रेलवे बोर्ड अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री सतीश कुमार जी ने किया गहन निरीक्षण।

सूत्र/रे.स.ब्यू- अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड श्री सतीश कुमार ने 19 जून, 2025 को महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे सुश्री सौम्या माथुर, प्रमुख विभागाध्यक्षों, मंडल रेल प्रबंधक/लखनऊ श्री गौरव अग्रवाल एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गोरखपुर स्थित क्रू लॉबी, एकीकृत क्रू रनिंग रूम एवं स्टेशन परिसर का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने क्रू लॉबी में सी.एम.एस. हॉल, क्रू काउंसलिंग कक्ष, एफ.एस.डी./वी.एच. एफ. रूम एवं सेमिनार हॉल का गहनता से निरीक्षण किया तथा एकीकृत क्रू रनिंग रूम में टी.टी.ई. एवं लोको पायलट कक्षों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। तत्पश्चात श्री सतीश कुमार ने ए.सी. लाउंज में यूनियन पदाधिकारियों से वार्ता की। इस दौरान श्री सतीश कुमार ने गोरखपुर जं. स्टेशन के प्रस्तावित स्वरूप एवं पुनर्विकास के कार्यों के ले-आउट का भी अवलोकन किया। अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड ने गोरखपुर जं. स्टेशन का निरीक्षण कर गोरखपुर जं. स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्य हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुझाव दिए तथा स्टेशन परिसर में यात्रियों को प्रदान की जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। दौरे की शुरुआत, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड ने अत्याधुनिक लोको पायलट रनिंग रूम के निरीक्षण से की। यह रनिंग रूम लोको पायलटों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है, जिसमें वातानुकूलित विश्राम कक्ष, स्वच्छ प्रसाधन, उच्च गुणवत्ता वाले बेड, पेयजल सुविधा, भोजन कक्ष और मनोरंजन के लिए टेलीविजन व वाई-फाई जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। अध्यक्ष/रेलवे बोर्ड ने इस सुविधा की सराहना करते हुए

कहा कि लोको पायलट रेलवे की रीढ़ हैं और उनकी कार्य दक्षता बढ़ाने के लिए ऐसी सुविधाएं अनिवार्य हैं। इसके पश्चात, श्री सतीश कुमार ने गोरखपुर स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों का गहन निरीक्षण किया। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत लगभग 500 करोड़ रुपये की लागत से गोरखपुर जंक्शन को विश्वस्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। इस परियोजना में स्टेशन पर रूफ प्लाजा, विशाल प्रतीक्षालय, फूड कोर्ट, खुदरा दुकानें, बच्चों के लिए स्पोर्ट्स जोन और दिव्यांगजनों के लिए विशेष सुविधाएं जैसे लिफ्ट, रैंप और ब्रेल साइनेज शामिल हैं। स्टेशन का नया भवन पर्यावरण-अनुकूल और ऊर्जा-कुशल डिजाइन पर आधारित होगा। अध्यक्ष/रेलवे बोर्ड ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और प्रगति की प्रशंसा की तथा साथ ही अधिकारियों को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि गोरखपुर जं. स्टेशन, जो विश्व का दूसरा सबसे लंबा रेलवे प्लेटफॉर्म रखता है, जल्द ही सुविधाओं और यात्री अनुभव में भी अग्रणी बनेगा। गोरखपुर जं. स्टेशन पर अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड श्री सतीश कुमार ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में रेल इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास एवं विस्तार हेतु वर्ष 2025-26 के बजट में ₹19,858 करोड़ का आवंटन किया गया है। यह बजट आवंटन वर्ष 2009-2014 के दौरान औसत बजट आवंटन से 18 गुना अधिक है। उन्होंने कहा कि देश भर में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 1,300 से अधिक तथा उत्तर प्रदेश के कुल 157 एवं पूर्वोत्तर रेलवे के 58 स्टेशन पुनर्विकास के लिए चयनित हैं। श्री सतीश कुमार ने कहा कि 22 मई, 2025 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के 19 पुनर्विकसित स्टेशनों का उद्घाटन किया गया। पूर्वोत्तर रेलवे के 12 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों में से 11 स्टेशन उत्तर प्रदेश में हैं और एक स्टेशन बिहार का है। उन्होंने नमो भारत, अमृत भारत एवं वंदे भारत एक्सप्रेस में दी जा रही सुविधाओं से मीडिया प्रतिनिधियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि गोरखपुर को दूसरी वंदे भारत एक्सप्रेस 20 जून को मिल जाएगी, जो पाटलिपुत्र से चलकर मुजफ्फरपुर, नरकटियागंज के रास्ते यहाँ आएगी, जिसे माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड श्री सतीश कुमार ने क्षमता विस्तार पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खलीलाबाद-बहराइच वाया बलरामपुर, श्रावस्ती, भिनगा (240.20 किमी.) नई रेल लाइन निर्माण के प्रथम चरण में खलीलाबाद-बांसी के मध्य कार्य प्रगति पर है तथा आगे के चरणों के लिए भूमि अधिग्रहण किया जा रहा है। दोहरीघाट-सहजनवा (81.17 किमी.) तथा आनंदनगर-घुघुली वाया महाराजगंज (53.51 किमी.) नई लाइन हेतु भूमि अधिग्रहण का कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि डोमिनगढ़- गोरखपुर- गोरखपुर कैंट-कुसम्ही तीसरी लाइन निर्माण के अंतर्गत गोरखपुर-कुसम्ही के मध्य तीसरी लाइन का निर्माण पूरा कर कमीशन कर दिया गया है। गोंडा-बुढ़वल के मध्य तीसरी लाइन निर्माण के अंतर्गत गोंडा कचहरी-करनैलगंज का कार्य कमीशन कर दिया गया है तथा करनैलगंज- घाघरा घाट का कार्य जुलाई में पूर्ण कर लिया जाएगा। तराई क्षेत्र में बहराइच- नानपारा- नेपालगंज रोड मीटर गेज खंड के आमान परिवर्तन के अंतर्गत बहराइच-नानपारा का कार्य पूर्ण हो गया है। उन्होंने कहा कि क्षमता विस्तार होने पर अधिक ट्रेनों का संचलन हो सकेगा। अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड श्री सतीश कुमार ने ट्रेड यूनियनों और रेलवे कर्मचारी एसोसिएशनों के पदाधिकारियों के साथ एक सौहार्दपूर्ण बैठक की। इस दौरान कर्मचारियों ने वेतन वृद्धि, प्रमोशन नीति, कार्यस्थल सुरक्षा और चिकित्सा सुविधाओं जैसे मुद्दों पर चर्चा की। अध्यक्ष/रेलवे बोर्ड ने यूनियनों के सुझावों को गंभीरता से सुना और उनकी मांगों को प्राथमिकता देने का वादा किया। यूनियन नेताओं ने इस संवाद को रचनात्मक और सकारात्मक बताया और रेलवे के विकास में सहयोग का भरोसा जताया।

पश्चिम मध्य रेलवे की महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय ने गुना-ग्वालियर एवं रुठियाई-मक्सी रेलखंड का किया निरीक्षण

यात्रियों को बेहतर सुविधाएं और संरक्षा प्राथमिकता में- महाप्रबंधक

सूत्र/रे.स.ब्यू- 19 जून 2025 को पश्चिम मध्य रेलवे की महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय ने गुना ग्वालियर एवं रुठियाई मक्सी रेलखंडों के अंतर्गत कई रेलवे स्टेशनों एवं निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने संरक्षा, यात्री सुविधाओं और अधोसंरचना विकास कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा और गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। निरीक्षण की शुरुआत पलनहार घाटीगांव खंड के किलोमीटर संख्या 1287 से 1291 के बीच स्थित कटिंग क्षेत्र से हुई, जहाँ उन्होंने ढलान, जल निकासी और ट्रैक संरक्षा की स्थिति की जांच की। घाटीगांव मधाना खंड में महुआर पुल और दो नगरीय कवच संरचनाओं का भी सूक्ष्म परीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ट्रैकमैनों से संवाद कर संसाधनों, चुनौतियों और आवश्यकताओं की जानकारी ली। शिवपुरी स्टेशन पर इंटरलॉक्ड समपार फाटक, टर्नआउट, सिग्नल और पॉइंट्स की स्थिति का परीक्षण किया गया। महाप्रबंधक ने ट्रैक अनुरक्षण गैंग से मिलकर निरीक्षण लॉगबुक, ट्रॉली निरीक्षण की स्थिति और नियमित कार्यों की समीक्षा की। गुना स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्योंजैसे प्लेटफॉर्म विस्तार,

प्रतीक्षालय, शौचालय, पेयजल, सर्कुलेटिंग एरिया, फुट ओवर ब्रिजेंका निरीक्षण किया गया। उन्होंने क्रू लॉबी में लोको पायलट, गार्ड और अन्य स्टाफ से मुलाकात कर चुनौतियों पर चर्चा की और ''स्पीडोमीटर एनालिसिस सॉफ्टवेयर'' का शुभारंभ भी किया। रुठियाई स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज, प्रतीक्षालय, दिव्यांग रैंप आदि यात्री सुविधाओं के विस्तार कार्यों का निरीक्षण हुआ। उन्होंने स्टेशन यार्ड, टिकट काउंटर, पैनल रूम और कार्यालय क्षेत्र की गुणवत्ता का मूल्यांकन किया। ब्यावरा राजगढ़ स्टेशन पर महाप्रबंधक ने रामगंजमंडी-संत नरहरिदास नगर नई रेल लाइन परियोजना और ट्रैक्शन सब स्टेशन का निरीक्षण किया। वहीं, रिले रूम में इलेक्ट्रिक इंटरल किंग, बैटरी बैकअप और फॉल्ट रिपोर्टिंग सिस्टम की समीक्षा की। शाजापुर स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे कार्योंजैसे प्लेटफॉर्म ऊंचाई, प्रतीक्षालय, एलईडी लाइटिंग, जल संरक्षण, लिफ्ट और सौर पैनल की स्थिति का अवलोकन किया गया।

रेल राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना ने चेन्नई-कांचीपुरम रेल मार्ग पर किया विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण

सूत्र/रे.स.ब्यू-भारतीय रेल राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना ने चेन्नई मंडल के अंतर्गत आने वाले चेन्नई कांचीपुरम रेल खंड पर विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान उनके साथ मंडल रेल प्रबंधक (DRM) श्री विश्वनाथ सहित चेन्नई मंडल के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस निरीक्षण का उद्देश्य रेल मार्ग की संरचना, ट्रैक की स्थिति, सिग्नलिंग प्रणाली, स्टेशन सुविधाओं एवं यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन करना था। विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण के माध्यम से रेल मंत्री ने यात्रा के दौरान रेल मार्ग की कार्यप्रणाली और संचालन व्यवस्था की बारीकी से समीक्षा की। श्री सोमन्ना ने अधिकारियों को यात्रियों की सुविधा एवं संरक्षा के दृष्टिकोण से आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

सितम्बर तक चलती रहेगी रीवा से सीएसएमटी के मध्य स्पेशल ट्रेन

सूत्र रे.स.ब्यू- यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन ने रीवा-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-रीवा के बीच साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन के 13-13 फेरे विस्तार करने का निर्णय लिया है। यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के रीवा से प्रारंभ होकर सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, गाडरवारा, पिपरिया, इटारसी एवं हरदा स्टेशनों से होकर गंतव्य को जाती है।

रीवा-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-रीवा साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन (26 सेवाएं)

1. ट्रेन संख्या 02187 रीवा-सीएसएमटी साप्ताहिक (गुरुवार) स्पेशल ट्रेन, जो दिनांक 26.06.2025 तक अधिसूचित थी, अब दिनांक 03.07.2025 से 25.09.2025 तक और चलती रहेगी। (13 सेवाएं)

2. ट्रेन संख्या 02188 सीएसएमटी-रीवा साप्ताहिक (शुक्रवार) स्पेशल ट्रेन, जो दिनांक 27.06.2025 तक अधिसूचित थी, अब दिनांक 04.07.2025 से 26.09.2025 तक और चलती रहेगी। (13 सेवाएं)

नोटः रेलयात्री किसी भी कंप्यूटरीकृत आरक्षण केन्द्र या ऑनलाइन IRCTC वेबसाइट से दिनांक 21 जून 2025 से इस स्पेशल ट्रेन के आरक्षण सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सदस्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशिः

१. उच्चतम अधिकारी-5000 रु. मात्र
२. उच्च अधिकारी- 3500 रु. मात्र
३. अधीनस्थ अधिकारी-2500 रु. मात्र
४. रेलकर्मी/अन्य सदस्य-1000 रु. मात्र

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
पंजिकृत कार्यालय
502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नैलानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
कैंप कार्यालय- अनिल केन (रिपोर्टर) कार्यालय 8439 आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-55

उत्तर रेलवे मुख्यालय में दूरसंचार मामलों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

सूत्र/रे.स.ब्यू- उत्तर रेलवे के प्रधान कार्यालय, बड़ौदा हाउस में दूरसंचार विभाग द्वारा दूरसंचार से संबंधित विभिन्न पहलुओं की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में दूरसंचार प्रणाली की वर्तमान स्थिति, तकनीकी उन्नयन, और कार्यप्रणाली में सुधार जैसे विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में रेलवे बोर्ड के अपर सदस्य (दूरसंचार) की गरिमामयी उपस्थिति रही। उनके साथ उत्तर रेलवे प्रधान कार्यालय के दूरसंचार विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इस समीक्षा बैठक का उद्देश्य संचार प्रणाली को और अधिक कुशल, सुरक्षित एवं आधुनिक बनाना था, जिससे रेलवे संचालन में पारदर्शिता और प्रभावशीलता सुनिश्चित की जा सके।

Scanned with OKEN Scanner

मानसून के दौरान संरक्षित रेल संचालन हेतु उत्तर पश्चिम रेलवे का विशेष अभियान- महाप्रबंधक श्री अमिताभ ने मानसून पूर्व की गतिविधियों और सुरक्षात्मक उपाय के लिए जारी किए दिशानिर्देश।

सूत्र/रे.स.ब्यू- मानसून के दौरान अत्यधिक वर्षा के कारण जलभराव के कारण ट्रैक और पुलों को नुकसान पहुँचने के अलावा, कुछ स्थानों पर ट्रैक पर पानी बहने की घटनाएँ भी हो जाती हैं, जिसके परिणामस्वरूप ट्रेन सेवाएँ बाधित होती हैं। ट्रेन सेवाओं के संभावित व्यवधान को कम करने के साथ-साथ ट्रेनों का सुरक्षित संचालन और यातायात की त्वरित बहाली के लिए उत्तर पश्चिम रेलवे पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अमिताभ ने अधिकारियों को मानसून पूर्व / मानसून के दौरान / मानसून के बाद की गतिविधियों तथा उचित सुरक्षात्मक उपाय और विभिन्न स्तरों पर किए जाने वाले निरीक्षणों के संबंध में विशेष निर्देश जारी किए हैं। महाप्रबंधक के निर्देशानुसार रेल पटरियों के पास की नालियों, नदियों, नहरों पर बने पुलों, ढलानों पर लगे पत्थरों की विशेष निगरानी की जा रही है, जिसके लिए गश्ती दल, विशेष चौकीदार नियुक्त किए गए हैं। पूर्व के आँकड़ों के आधार पर पटरियों के पास की नालियों को आवश्यकता अनुसार चौड़ा किया गया है। नदियों, नहरों पर बने पुलों पर बाढ़ और खतरे के स्तर को चिह्नित किया गया है, जिससे गश्ती दल, विशेष चौकीदार और लोको पायलटों को स्पष्ट रूप से दिखाई दे। ढलानों पर ढीले पत्थरों को हटाया गया है या पत्थरों को चौन लिंक से बाँधा गया है। गश्ती दलों और चौकीदारों के लिए उपकरणों की विशेष योजना और व्यवस्था की गई है। उचित सुरक्षात्मक उपाय के लिए संवेदनशील स्थानों के पास बोल्डर, खदान की धूल, कोयले की राख आदि सामग्रियों का भंडारण किया गया है। उपरोक्त के अलावा वैगनों में लोड करने के लिए ग्राउंड स्टॉक भी तैयार रखा गया है, जिनमें रेल, स्लीपर, गिट्टी और बोल्डर पर्याप्त मात्रा में रखे गए हैं। साथ ही लोडिंग एजेंसियों के साथ संपर्क किया गया है ताकि जेसीबी, हाइड्रोलिक ट्रैक्टर ट्रॉली आदि अर्थ मूविंग मशीनरी किसी भी आपात स्थिति में अल्प सूचना पर उपलब्ध हो सके। संभाग के अधिकार क्षेत्र से संबंधित सिविल प्राधिकारियों, पुलिस अधीक्षक एवं संबंधित चिकित्सा अधिकारी का अपडेटेड विवरण उनके संपर्क नंबर सहित संवेदनशील स्थानों पर उपलब्ध कराया गया है। साथ ही गश्ती दलों को मानसून के समय की जाने वाली विशेष पेट्रोलिंग के बारे में शिक्षित करने के लिए सेमिनार आयोजित किए जा रहे हैं।

भारत गौरव ट्रेन से दक्षिण भारत की दिव्य यात्रा।

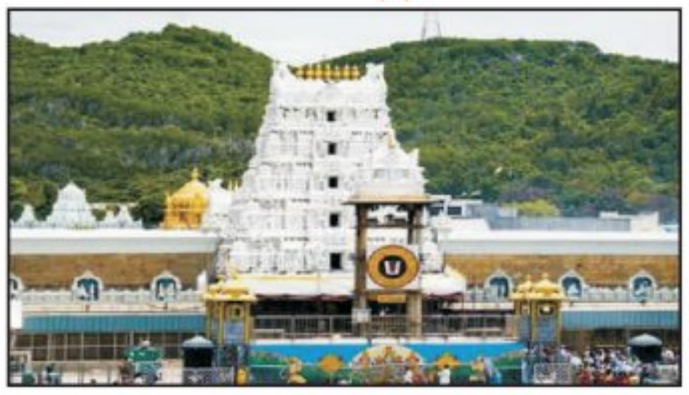

सूत्र/रे.स.ब्यू- दक्षिण भारत के प्रमुख तीर्थ स्थलों के दर्शन हेतु चर्चित भारत गौरव एक्सप्रेस के संचालन का निर्णय लिया गया है, जो बिहार, झारखंड सहित कई राज्यों के श्रद्धालुओं को दक्षिण भारत के प्रमुख तीर्थ स्थलों तक ले जाएगी। इस भारत गौरव एक्सप्रेस की शुरुआत भागलपुर स्टेशन से होगी और 12 दिवसीय इस यात्रा के अंतर्गत यात्रियों को तिरुपति, रामेश्वरम, मदुरै, कन्याकुमारी और मल्लिकार्जुन के दर्शन कराए जाएंगे। आईआरसीटीसी की इस विशेष पर्यटक ट्रेन के माध्यम से भक्तों को दक्षिण भारत के कुछ सबसे प्रतिष्ठित मंदिरों और पवित्र स्थलों पर दिव्य उपस्थिति का अनुभव करने और आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। इस ट्रेन में भागलपुर, जसीडीह, मधुपुर, बराकर, धनबाद, बोकारो, मुरी, रांची, राउरकेला, झारसुगुड़ा, चांपा, बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग सहित कई बोर्डिंग व डिबोर्डिंग पॉइंट शामिल किए गए हैं।

इस भारत गौरव ट्रेन में:

- स्लीपर क्लास (इकोनॉमी) में 640 सीटों की व्यवस्था है।
- 3AC (तृतीय वातानुकूलित श्रेणी) में 70 सीटें आरक्षित की गई हैं।

भारत गौरव यात्रा की टिकट लेने वाले यात्रियों को निम्नलिखित सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी:

- कन्फर्म रेल टिकट
- सभी भोजन (चाय, नाश्ता, दोपहर का भोजन, रात्रि भोजन)
- डबल/ट्रिपल शेयरिंग के आधार पर आरामदायक एवं स्वच्छ आवास (इकोनॉमी के लिए नॉन-एसीय स्टैंडर्ड और कम्फर्ट क्लास के लिए एसी)
- बसों द्वारा स्थानांतरण व दर्शनीय स्थलों की यात्रा (इकोनॉमी व स्टैंडर्ड के लिए नॉन-एसी, कम्फर्ट के लिए एसी बसें)
- ऑनबोर्ड टूर एस्कॉर्ट, हाउसकीपिंग, सुरक्षा और पैरामेडिकल स्टाफ की सुविधा।

यह यात्रा आराम, सुरक्षा और आध्यात्मिक पूर्ति के साथ, किफायती दरों पर, कई पवित्र स्थलों के दर्शन का एक अद्वितीय अवसर प्रदान करती है। बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ के इच्छुक यात्री IRCTC के कोलकाता व रांची कार्यालय अथवा किसी भी अधिकृत एजेंट के माध्यम से बुकिंग कर सकते हैं।

मोजाम्बिक के पटरी पर दौड़ेगा बरेका निर्मित 3300 अश्व शक्ति केप गेज डीजल-इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव

बरेका के इंजनों की एक बार फिर विश्व में धाक-बरेका ने मोजाम्बिक को किया निर्यात 3300 एचपी के उन्नत डीजल-इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेल की प्रमुख उत्पादन इकाई बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका), ने एक बार फिर महाप्रबंधक श्री नरेश पाल सिंह की कुशल नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी गुणवत्ता और तकनीकी दक्षता का लोहा मनवाया है। वर्ष 2021-22 एवं 2022-23 के दौरान बरेका द्वारा 6 डीजल इंजन (3000 हॉर्स पावर, एसी-एसी) सफलतापूर्वक मोजाम्बिक की रेल कंपनी सीएफएम को आपूर्ति किए गए थे, जो वर्तमान में मोजाम्बिक में सफलतापूर्वक परिचालन में हैं। पूर्व में भेजे गए इंजनों की उत्कृष्ट कार्यक्षमता एवं विश्वसनीय प्रदर्शन को देखते हुए, मोजाम्बिक रेलवे (सीएफएम) ने बरेका को एक और बड़ा अनुबंध सौंपा है। यह नया अनुबंध 10 अत्याधुनिक 3300 हॉर्स पावर एसी एसी डीजल-इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के निर्माण और आपूर्ति के लिए मेसर्स राइट्स के माध्यम से प्रदान किया गया है। इन 10 इंजनों में से 2 इंजन का निर्माण कार्य पूर्ण कर जून 2025 में सफलतापूर्वक मोजाम्बिक के लिए रवाना कर दिया गया है, जबकि शेष 8 इंजनों का प्रेषण दिसंबर 2025 तक किए जाने की योजना है। ये इंजन केप गेज (1067 मिमी) पर 100 किलोमीटर प्रति घंटा की अधिकतम गति से चलने में सक्षम हैं।

तकनीकी नवाचार और चालक-सुविधाओं से युक्त इंजन: बरेका द्वारा निर्मित ये 3300 एचपी AC&AC डीजल इंजन न केवल तकनीकी दृष्टि से अत्याधुनिक हैं, बल्कि इसमें चालक के लिए भी कई विशेष सुविधाएं प्रदान की गई हैं, जिनमें शामिल हैं: रेफ्रिजरेटर, हॉट प्लेट, मोबाइल होल्डर, सौंदर्यबोध से परिपूर्ण कैब डिजाइन, शौचालय की सुविधा।

"मेक इन इंडिया" की वैश्विक उड़ान: बरेका की यह उपलब्धि न केवल देश के तकनीकी सामर्थ्य का प्रतीक है बल्कि 'मेक इन इंडिया मेक फॉर द वर्ल्ड' मिशन को भी सशक्त करती है। मोजाम्बिक को इन इंजनों की आपूर्ति से भारत की इंजीनियरिंग क्षमता, आत्मनिर्भरता और वैश्विक साझेदारी को एक नई ऊंचाई मिली है। बरेका का यह प्रयास सिद्ध करता है कि भारतीय रेल निर्माण इकाइयाँ विश्व मानकों के अनुरूप इंजनों का उत्पादन कर सकती हैं और विश्व पटल पर 'मेड इन इंडिया' की पहचान को और मजबूत कर रही हैं। बनारस रेल इंजन कारखाना द्वारा मोजाम्बिक को निर्यात हेतु 12 सिलिंडर 3300 अश्व शक्ति एसी-एसी केप गेज डीजल-इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव का निर्माण कर सकुशल निर्यात किया गया। उल्लेखनीय है, कि 23 अप्रैल 1956 को बनारस रेल इंजन कारखाना की स्थापना से अब तक बरेका भारतीय रेलवे, इस्पात संयंत्रों, खानों, बंदरगाहों और निर्यात के लिए 10000 से अधिक लोकोमोटिव बना चुका है। यह भारतीय रेलवे का उत्पादन इकाई लोको उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी है जनवरी 1976 में पहला रेल इंजन तंजानिया को निर्यात किया गया। इसके बाद वियतनाम, माली, सेनेगल, अंगोला, म्यांमार, बंग्लादेश, श्रीलंका, मलेशिया, मोजाम्बिक, सूडान आदि देशों को यहां के निर्मित इंजन भेजे गये। इस उपलब्धि पर महाप्रबंधक श्री नरेश पाल सिंह ने बरेका के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कुशल प्रबंधन एवं कार्य कुशलता की सराहना की है।

तत्काल टिकट बुकिंग के नियमों में बड़ा बदलाव

1 जुलाई से आधार ऑथेंटिकेशन अनिवार्य, यात्रियों को मिलेंगे बड़े फायदे

सूत्र/रे.स.ब्यू- भारतीय रेलवे ने तत्काल टिकट बुकिंग प्रक्रिया में व्यापक बदलाव करते हुए 1 जुलाई 2025 से आधार आधारित ऑथेंटिकेशन को अनिवार्य कर दिया है। अब IRCTC की वेबसाइट या मोबाइल ऐप से तत्काल टिकट बुक करने के लिए यात्रियों को अपना आधार नंबर लिंक करना और OTP वेरिफिकेशन कराना जरूरी होगा। इसके साथ ही 15 जुलाई से यह OTP प्रोसेस भी सभी बुकिंग पर लागू हो जाएगा। रेल मंत्रालय के अनुसार, यह फैसला टिकट बुकिंग प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और जनहितकारी बनाने के उद्देश्य से लिया गया है। अक्सर शिकायतें मिलती थीं कि तत्काल टिकट बुकिंग खुलते ही कुछ ही मिनटों में सारे टिकट समाप्त हो जाते हैं, क्योंकि एजेंट और दलाल अवैध सॉफ्टवेयर के जरिए बुकिंग कर लेते थे। इससे आम यात्रियों को टिकट मिलना मुश्किल हो जाता था।

यात्रियों को होंगे ये 5 बड़े फायदे:

1. **दलालों से राहत:** आधार वेरिफिकेशन और OTP प्रक्रिया से फर्जी और अनधिकृत एजेंट टिकट नहीं बुक कर सकेंगे। इससे असली यात्रियों को मौका मिलेगा।
2. **पारदर्शिता और विश्वास:** आधार से जुड़ी टिकट बुकिंग से पता चलेगा कि टिकट वास्तविक यात्री के नाम पर ही है। इससे फर्जीवाड़ा रुकेगा और प्रणाली पर विश्वास बढ़ेगा।
3. **एजेंटों पर समयबद्ध नियंत्रण:** तत्काल बुकिंग खुलने के पहले 30 मिनट तक कोई एजेंट टिकट बुक नहीं कर सकेगा। इससे आम यात्रियों को प्राथमिकता मिलेगी।
4. **तेज और सुरक्षित प्रक्रिया:** ऑनलाइन आधार ऑथेंटिकेशन और OTP से टिकटिंग प्रक्रिया पहले से अधिक सुरक्षित और तेज होगी।

5. **यात्रा में सुविधा और संतुलन:** सभी यात्रियों को समान अवसर मिलेगा, जिससे असुविधा कम होगी और यात्री बेझिझक बुकिंग कर सकेंगे।

कैसे काम करेगा नया सिस्टम?

- यात्री को अपना IRCTC अकाउंट आधार नंबर से लिंक करना होगा।
- टिकट बुक करते समय रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक OTP भेजा जाएगा।
- OTP डालने के बाद ही बुकिंग पूरी होगी।

रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपने IRCTC प्रोफाइल को आधार से लिंक करना सुनिश्चित करें, ताकि बुकिंग में कोई परेशानी न हो। यह कदम एक ओर जहां टिकटिंग सिस्टम को पारदर्शी बनाएगा, वहीं दूसरी ओर आम यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता देगा। भारतीय रेलवे का यह बदलाव डिजिटल भारत की ओर एक मजबूत कदम है जहां तकनीक के माध्यम से ईमानदार यात्रियों को प्राथमिकता और सुविधा दोनों मिलेगी।

स्वामी विवेकानंद

एक प्रेरणा जो आज भी जीवित है

सूत्र/रे.स.ब्यू- **"एक विचार लो, उसे अपना जीवन बना लो उसी के बारे में सोचो, उसी का सपना देखो, उसी को जियो... सफलता तुम्हारे कदम चूमेगी।"..**यही थे स्वामी विवेकानंद जी के विचार, जो आज भी हर हृदय में आग जगा देते हैं। 4 जुलाई, स्वामी विवेकानंद जी की पुण्यतिथि, केवल एक स्मृति नहीं, बल्कि एक चेतना है.. उस आत्मबल, आत्मविश्वास और आत्मज्ञान की, जिसे उन्होंने भारत के युवाओं में भरने का कार्य किया। उन्होंने भारत की मिट्टी को फिर से गौरव दिलाया, जब उन्होंने शिकागो धर्म संसद में **"मेरे अमेरिकी भाइयों और बहनों..."** कहकर विश्व का ध्यान भारतीय संस्कृति की ओर खींचा। स्वामी जी मानते थे कि युवा शक्ति किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है। वे कहते थे **"तुम्हें भीतर से बाहर की ओर विकसित होना चाहिए। कोई तुम्हें सिखा नहीं सकता, कोई तुम्हें आध्यात्मिक नहीं बना सकता। तुम्हारी आत्मा के भीतर सब कुछ है। तुम सब कुछ खुद ही सीखो। अपने आप को जानो।"** उनकी पुण्यतिथि पर (4 जुलाई), आइए हम यह प्रण लें कि हम उनके दिखाए मार्ग पर चलें, आत्मविश्वास से भरें, और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं। **स्वामी विवेकानंद सिर्फ एक नाम नहीं, एक मिशन हैं जो आज भी हर युवा में जीवित है।**

पाठको से अनुरोध

आपको यह अंक कैसा लगा ?
इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते हैं ?
कृपया अपने सुझावों से अवश्य ही अवगत कराएं जिससे हम पत्रिका में सुधार कर सकें। हमें आपके सुझाव का इंतजार रहेगा।

प्रधान संपादक

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव दि. इलाहाबाद ब्लॉक वर्क्स प्रा. लि. 329/255 चक. जीरो रोड इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
आर.एन. आई नं. 51097-90
पोस्ट ए.डी.-8
मो. 9773946044 / 9793956044
फोन नं. 0532-2418040

Scanned with OKEN Scanner

योग ने सीमाओं, पृष्ठभूमियों या क्षमताओं से परे पूरी दुनिया को एकजुट किया हैः प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने विशाखापत्तनम में किया ऐतिहासिक योग सत्र का नेतृत्व

सूत्र/रे.स.ब्यू- विशाखापत्तनम के सुंदर समुद्र तट पर, 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश-विदेश से आए हजारों योग साधकों के साथ एक ऐतिहासिक योग सत्र का नेतृत्व किया। बंगाल की खाड़ी की लहरों के बीच आयोजित इस भव्य आयोजन में प्रधानमंत्री ने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज दुनिया के सबसे बड़े योग सम्मेलन को संबोधित किया। इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश के राज्यपाल श्री अब्दुल नजीर, मुख्यमंत्री श्री एन. चंद्रबाबू नायडू, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री राम मोहन नायडू, केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव, केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी, उपमुख्यमंत्री श्री पवन कल्याण और कैबिनेट मंत्री श्री नारा लोकेश उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री ने योग को ''एकजुटता'' का प्रतीक बताया और इसकी वैश्विक स्वीकार्यता पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने याद किया कि जब भारत ने संयुक्त राष्ट्र में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का प्रस्ताव रखा था, तो 175 देशों ने इसका समर्थन किया था, जो वैश्विक एकता का अनूठा उदाहरण बना। उन्होंने यह भी बताया कि योग अब अंतरिक्ष से लेकर पर्वतों और समुद्र तटों तक सभी स्थानों पर अपनाया जा रहा है और यह सीमाओं व क्षमताओं से परे, सभी के लिए है। उन्होंने योगांध्र अभियान की सराहना की और मंत्री नारा लोकेश द्वारा समाज के हर वर्ग को इसमें शामिल करने के प्रयासों की विशेष प्रशंसा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस अभियान में 2 करोड़ से अधिक लोगों ने भाग लिया, जो एक विकसित भारत की भावना को दर्शाता है। इस अवसर पर केंद्रीय आयुष मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से योग आज 180 से अधिक देशों में मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष योग को समर्पित 10 प्रमुख अभियान चलाए गए, जैसे ग्रीन योग, योग कनेक्ट, योग पार्क, योग महाकुंभ आदि। उन्होंने यह भी बताया कि योगांध्र अभियान के अंतर्गत 22,000 से अधिक आदिवासी छात्रों ने 12 चक्र सूर्य नमस्कार कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया। साथ ही दिल्ली में 70 स्थानों पर आयुष मंत्रालय ने योग प्रतिभागियों को मोरिंगा-आधारित ''आयुष आहार'' वितरित किया। मुख्यमंत्री श्री चंद्रबाबू नायडू ने बताया कि विशाखापत्तनम में 3 लाख लोगों ने सामूहिक योग प्रदर्शन में भाग लिया और राज्यभर में 2.17 करोड़ प्रतिभागियों ने योगांध्र अभियान के अंतर्गत हिस्सा लिया। केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने उधमपुर, केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने अहमदाबाद और केंद्रीय मंत्री श्री जे. पी. नड्डा ने नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित योग कार्यक्रम में भाग लिया। श्री नड्डा ने ''X'' पर लिखा कि योग प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक वैश्विक जनआंदोलन बना है, जो जीवन के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन को पोषित करता है।

रेलवे परिसर में गूंजा योग का संदेश, कर्मचारियों के लिए विशेष शिविर का आयोजन

सूत्र/रे.स.ब्यू- 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रेलवे पैसेंजर्स सेफ्टी एंड एमेनिटीज एसोसिएशन द्वारा 21 जून 2025 को रामबाग रेलवे स्टेशन, दुर्गा पूजा कंपाउंड गेट नंबर 1 में एक विशेष योगोत्सव का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आयुष मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें विशेष रूप से रेलवे अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों ने भाग लिया। कार्यक्रम में कुल 218 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। योग अभ्यास सत्र के साथ-साथ पौधरोपण भी किया गया, जिससे पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी प्रसारित हुआ। इस आयोजन की विशेषता यह रही कि रेलवे परिसर में योग सत्र के आयोजन से यात्रियों में भी योग के प्रति रुचि और जागरूकता का प्रसार हुआ। स्टेशन पर उपस्थित यात्रियों ने योग सत्र को रुचिपूर्वक देखा और आयोजकों से योग के लाभों की जानकारी प्राप्त की। इससे यह स्पष्ट हुआ कि सार्वजनिक स्थलों पर योग का आयोजन, जनमानस को जोड़ने का प्रभावशाली माध्यम है। कार्यक्रम का संचालन योगाचार्या श्रीमती नैना सिंह एवं उनकी टीम द्वारा किया गया। उन्होंने सरल और प्रभावी योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास करवाया तथा उपस्थित जनसमूह को योग के महत्व को सहज भाषा में समझाया। साथ ही सभी को योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर श्री ज्ञानेंद्र कुमार, सदस्य, रेलवे सलाहकार समिति, तथा भाजपा नेता श्री जयंत श्रीवास्तव ने भी उपस्थिति दर्ज कराई और कार्यक्रम की सराहना की। अपने संबोधन में श्री ज्ञानेंद्र कुमार ने कहा कि, "योग केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का साधन नहीं, बल्कि एक सशक्त, स्वस्थ और सुरक्षित समाज की नींव है। ऐसे आयोजनों से सामाजिक जागरूकता बढ़ती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।" कार्यक्रम में प्रयागराज रामबाग रेलवे अधीक्षक श्री अखिलेश श्रीवास्तव, मुख्य यातायात निरीक्षक श्री अमरनाथ उपाध्याय, मंडल वाणिज्य निरीक्षक कृष्ण गोपाल यादव एसएससी श्री सुनील मौर्य, स्टेशन मास्टर नागेंद्र बहादुर यादव, रंजीत प्रसाद एवं सी एच आई राहुल पटेल अपने अपने सहयोगियों के साथ योगा कार्यक्रम में उपस्थित रहे समाजसेवक राजन श्रीवास्तव एवं पत्रकार के सी उपस्थित रहे। योगोत्सव में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने इस आयोजन को प्रेरणादायक बताया और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की अपेक्षा जताई।

भारतीय रेलवे ने देशभर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया।

सूत्र/रे.स.ब्यू- 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भारतीय रेलवे ने पूरे देश में भव्य और जोशपूर्ण योग सत्र आयोजित किए। "एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग" विषय के साथ पूरे भारत में सभी रेलवे जोन, डिवीजन, स्टेशनों और रेलवे परिसरों में योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना और श्री रवनीत सिंह बिट्टू ने क्रमशः कर्नाटक के हसन और चंडीगढ़ की सुखना झील में आयोजित योग सत्रों में भाग लिया। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और सीईओ श्री सतीश कुमार ने भी नई दिल्ली के करनैल सिंह स्टेडियम में आयोजित योग सत्र में भाग लिया। इस वर्ष योग दिवस को असाधारण बनाने वाली बात यह रही कि न केवल स्टेशनों और कार्यालय परिसरों में, बल्कि भारतीय रेलवे के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग चमत्कारों पर भी योग सत्र आयोजित किए गए। पहली बार, जम्मू और कश्मीर में स्थित दुनिया के सबसे ऊँचे रेलवे पुल चेनाब पुल पर योग सत्र आयोजित किया गया, जो भारतीय रेलवे के आत्मविश्वास और इंजीनियरिंग क्षमताओं का प्रतीक है। भारत के केबल पर टिके पहले रेल पुल-अंजी खाद पुल और देश के पहले वर्टिकल-लिफ्ट रेल पुल - तमिलनाडु में पंबन पुल पर योग सत्र आयोजित किए गए, जिसमें योग और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता का एक अनूठा मिश्रण दिखाया गया। पश्चिम बंगाल में हावड़ा डिवीजन द्वारा योग को समर्पित एक विशेष ईएमयू ट्रेन चलाई गई, जिसमें विभिन्न योग मुद्राओं के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य लाभों का चित्रण भी किया गया। विभिन्न क्षेत्रों में, रेलवे अधिकारियों, कर्मचारियों, रेलवे सुरक्षा बल के कर्मियों, स्काउट्स और गाइड्स, स्कूली छात्रों, जन प्रतिनिधियों और आम जनता की ओर से उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। सत्रों में आसन (शारीरिक मुद्राएं), प्राणायाम (श्वास तकनीक), ध्यान और योग के समग्र लाभों पर केंद्रित जागरूकता गतिविधियाँ शामिल थीं। इस राष्ट्रव्यापी पहल के माध्यम से, भारतीय रेलवे ने न केवल अपने कर्मचारियों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया, बल्कि आम जनता के बीच योग के परिवर्तनकारी लाभों के बारे में जागरूकता फैलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

- चेनाब, अंजी और पंबन पुलों पर अनोखे योग सत्र आयोजित
- सभी रेलवे जोन, डिवीजनों और परिसरों में कार्यक्रम आयोजित
- पश्चिम बंगाल में योग को समर्पित विशेष ईएमयू ट्रेन चलाई गई, जिसमें विभिन्न योग मुद्राएं दिखाई गईं

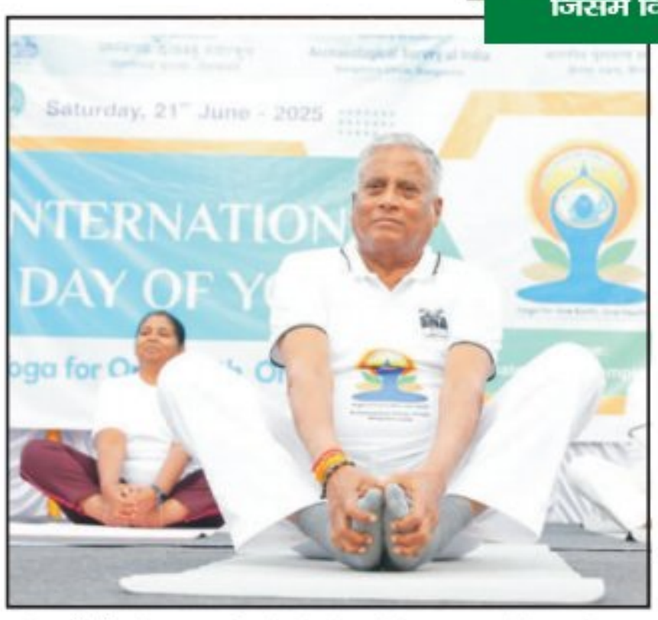

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 पर स्वास्थ्य और सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देने में अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

सूत्र/रे.स.ब्यू- 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (IDY) 2025 के अवसर पर, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (PSUs) ने समग्र स्वास्थ्य और सामाजिक जिम्मेदारी के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इनमें जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी (JNPA) ने सबसे उल्लेखनीय योगदान दिया, जिसने एक व्यापक और समावेशी योग अभियान का संचालन किया। JNPA के कार्यक्रमों की शुरुआत 'हरित योग' से हुई, जो विश्व पर्यावरण दिवस से जुड़ी पहल थी। इसके बाद 'योग अनप्लग्ड' नामक सत्र के माध्यम से स्कूली छात्रों में योग और आत्म-जागरूकता का प्रसार किया गया। प्रमुख कार्यक्रम 'योग संगम' CISF ग्राउंड, JNPA टाउनशिप में आयोजित हुआ, जिसमें 10,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिनमें JNPA कर्मचारी, CISF कर्मी, PPP ऑपरेटर, FSSAI प्रतिनिधि, छात्र और स्थानीय नागरिक शामिल थे। इसे RRAP-CARI टीम ने नेतृत्व दिया। योग समावेश के अंतर्गत दिव्यांगजनों के लिए विशेष सत्र आयोजित किए गए। JNPA ने एक स्थायी योग पार्क का उद्घाटन भी किया, जिससे दैनिक अभ्यास को बढ़ावा मिलेगा। 'योग महाकुंभ' के अन्य सत्र बेलापुर स्थित कौशल विकास केंद्र और प्रशासनिक भवन में हुए, जिनका केंद्र बिंदु तनाव प्रबंधन और क्षमता निर्माण रहा। 'योग कनेक्ट' सत्र में भारतीय और बेल्जियम के एंटवर्प पोर्ट के प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिससे इसका वैश्विक आयाम और मजबूत हुआ। अन्य PSU जैसे NBCC और CONCOR ने भी बहु - दिवसीय योग महाकुंभ आयोजित किए। इन पहलों ने योग को जन-जन तक पहुंचाया और दिखाया कि सार्वजनिक संस्थान सामाजिक परिवर्तन में कैसे उत्प्रेरक की भूमिका निभा सकते हैं।

Scanned with OKEN Scanner

First Rail Level Slab Casting Completed for Boisar Bullet Train Station

Source/NHSRCL- Under construction Boisar Bullet Train station has marked a milestone with the casting of first slab for the station. This slab is approx. 40 meters wide and 37 meters in length consuming over 1070 cubic meters of concrete. There will be 9 such slabs at this level which will form the base for track laying works at the station. Station will have two levels i.e. Concourse level and Rail level. Station will be 425 meters long. Approx. 8000 metric tonnes of steel and 42,000 cubic meter of concrete will be used for Boisar station, which will have an area of 6000 sq. m. at concourse level. Total station area will be approx. 17,000 sq. m. Boisar Bullet Train station façade design is inspired from the fishing nets, used by Konkani fishermen in the region. Once operational, this station will boost connectivity to the upcoming Vadhvan port (23 km), Boisar & Tarapur Industrial area, Tarapur Atomic Power station and many well-known tourist places like Chichani Beach, Nandgaon Beach, Shirgaon Beach, Kelwa Beach Dahanu & Bordi Beach, Hiradpada & kalamandevi waterfall etc.

Station Facilities: Two floored station building will have Lounge, waiting rooms (paid & unpaid area both), smoking rooms, first aid, toilet room & drinking water facilities, Lifts & Escalators for level change, Shops in paid & unpaid area at concourse level

AWARENESS EDITORIAL

The Hidden Impact: How Excessive Screen Time Harms Children

In today's digital world, screens are everywhere — televisions, smartphones, tablets, and laptops have become part of everyday life. While technology offers educational and entertainment benefits, excessive screen time poses serious risks to children's physical, mental, and emotional well-being.

Poor Physical Health - Long hours in front of screens contribute to a sedentary lifestyle, increasing the risk of childhood obesity. It also leads to poor posture, eye strain, and disturbed sleep due to prolonged exposure to blue light, especially when screen time continues close to bedtime.

Delayed Cognitive Development- Excessive screen use, especially passive consumption like watching videos, can interfere with language development, attention span, and problem-solving skills in young children. It may reduce opportunities for real-world exploration and hands-on learning, which are vital for early brain development.

Behavioral and Emotional Issues- Studies link high screen time to increased irritability, anxiety, and social withdrawal. Children may become more impatient and exhibit mood swings, often mimicking aggressive or unrealistic behavior seen in digital content. It can also reduce their ability to self-regulate emotions.

Reduced Social Skills- Children immersed in screens often miss out on valuable face-to-face interactions, which are essential for developing empathy, communication skills, and emotional intelligence. Real relationships take a backseat, affecting friendships and family bonds.

Addiction and Reduced Attention Span- Apps and games are designed to be addictive. Continuous exposure can lead to dopamine dependency, where children seek instant gratification, making it hard for them to focus or enjoy offline activities. This reduces attention span and affects academic performance.

What Can Parents Do?

- Set screen time limits based on age.
- Encourage outdoor play, reading, and creative hobbies.
- Avoid screens during meals and at least one hour before bedtime.
- Be a role model by practicing balanced screen use.
- Use parental controls and choose age-appropriate, educational content.

RPF HOWRAH DIVISION CRACKS DOWN ON MISUSE OF ALARM CHAIN PULLING

Source/RSB- In a focused drive to enhance train safety and punctuality, the Railway Protection Force (RPF), Howrah Division, under the guidance of Senior Divisional Security Commissioner Shri Chokka Raghuveer, has intensified its action against the misuse of the Alarm Chain Pulling (ACP) system during the period from 1st June to 22nd June 2025. Alarm Chain Pulling, when done without a valid emergency, disrupts train operations and poses significant safety risks. As part of this initiative, the RPF apprehended 102 individuals for unauthorized ACP incidents during the current month. Legal proceedings have been initiated against them under Section 141 of the Railways Act, 1989. Passengers are reminded that misuse of the alarm chain may lead to immediate arrest and termination of the journey. Such actions not only cause operational delays but also endanger the safety of all passengers onboard. To curb this offence, RPF Howrah Division has strengthened surveillance through increased onboard deployment of RPF personnel, enhanced CCTV monitoring, and frequent surprise checks across trains and stations. The RPF appeals to all passengers to use emergency systems responsibly and only in genuine situations. Misuse of safety features is a serious punishable offence and will invite strict legal consequences. RPF Howrah Division remains committed to ensuring the safety, security, and punctuality of train services and seeks active cooperation from passengers in maintaining discipline and responsible behaviour across the railway network.

RailOne

RAILONE APP LAUNCHED
ONE-STOP SOLUTION FOR ALL PASSENGER SERVICES

Source/RSB-Railways is continually taking steps to improve passenger amenities. Introducing new generation trains, redeveloping stations, upgrading old coaches to new LHB coaches, and many more such steps have improved passenger experience in the last decade. Union Railway Minister Shri Ashwini Vaishnaw launched a new app, RailOne, at India Habitat Centre in New Delhi on 40th Foundation Day of Centre for Railway Information Systems (CRIS). RailOne is focused on improving passenger interface with railways. It is a comprehensive, all-in-one application with a user-friendly interface. The app is available for download on Android Play Store and iOS App Store.

It integrates all the passenger services such as:

- Unreserved UTS Tickets via R-Wallet to Get 3% Discount
- Live train tracking
- Grievance redressal
- E-catering, porter booking & last-mile taxi

Reserved tickets will continue to be offered on IRCTC. RailOne app has also been authorised by IRCTC just like many other commercial apps who have partnered with IRCTC. RailOne features a single-sign-on with login via mPIN or biometric. It also supports existing RailConnect & UTS credentials. The app is space-saving, as there is no need to install multiple apps.

Modern Passenger Reservation System (PRS) by December 2025 - The Railway Minister congratulated the entire team of CRIS on its foundation day. He urged CRIS to focus on further strengthening the digital core of Indian Railways. The Minister also commended the CRIS team for the progress made on upgrading the existing PRS. The modern PRS will be agile, multilingual, and scalable to handle 10 times the current load. It will be capable of 1.5 lakh ticket bookings and 40 lakh enquiries per minute. The new PRS will be inclusive. It will have advanced functionalities for seat choice and fare calendar, and integrated options for Divyangjan, students, and patients, etc.

Technology Defining the Future- Indian Railways is driven by PM Narendra Modi's vision of making it the growth engine of India's Vikas Yatra. Launch of RailOne app reaffirms Bhartiya Rail's commitment to democratizing technology and delivering world-class mobility to every passenger.

Scanned with OKEN Scanner

Additional Charge Assumed at SCR & Western Railway

SHRI DHARAM VEER MEENA TAKES OVER THE ADDITIONAL CHARGE AS GENERAL MANAGER, WESTERN RAILWAY

Source/RSB- Shri Dharam Veer Meena, General Manager of Central Railway, has taken over additional charge as General Manager of Western Railway from Tuesday, 1st July, 2025. An officer of the 1988 Batch of Indian Railways Service of Signal Engineers (IRSSE), Shri Meena holds a B.E. in Electronics & Communication from M.B.M. Engineering College, Jodhpur, and a Master's in Law. Since joining Indian Railways in March 1990, he has held key positions across South Eastern, Western, West Central, and Central Railways. His early roles included Assistant Signal & Telecom Engineer, Shahdol (1992), and senior roles at Bilaspur and Khurda Road. At Western Railway, he played a pivotal role in major Signalling and Multitracking projects such as Viramgam–Samakhiali and Ahmedabad–Mahesana. His leadership saw over one installation per week and the commissioning of India's first Embedded Block between Vadnagar and Visnagar. He was also a member of the IRSEM Review Committee in 2020. As PCSTE of West Central Railway, Shri Meena executed KAVACH safety systems over 548 km, including the mega yard at New Katni Junction, and led the national KAVACH Working Group. Since April 2024, as PCSTE of Central Railway, he delivered 88 installations in 126 days, including ELs at CSMT and advanced ABS, BPAC, and LC interlockings. Under his guidance, Central Railway became the first to implement KAVACH across its entire network. From 2009–2014, he served as Deputy Chief Vigilance Officer, Western Railway, where he developed IRIVINS and earned the Hon'ble Minister of Railways Award in 2013.

SHRI SANDEEP MATHUR TAKES ADDITIONAL CHARGE AS GENERAL MANAGER, SOUTH CENTRAL RAILWAY

Shri Mathur also played an active role in the development and approval of 'Kavach', India's indigenously developed Automatic Train Protection (ATP) system, which marks a significant step toward enhanced Railway Safety.

Source/RSB- Shri Sandeep Mathur, General Manager of South Coast Railway (SCoR), assumed additional charge as General Manager of South Central Railway (SCR) on 1st July 2025 at Rail Nilayam, Secunderabad. An officer of the 1988 batch of the Indian Railway Service of Signal Engineers (IRSSE), Shri Mathur has held several significant positions across Indian Railways. Prior to his posting as General Manager of South Coast Railway, headquartered at Visakhapatnam, he served as Principal Executive Director (Signaling) at the Railway Board, Ministry of Railways. He began his career as Assistant Signal and Telecom Engineer in the then Allahabad Division and has since served in various leadership roles in the Railway Board, as well as in the Northern, North Central, and South Eastern Railways. As Principal Executive Director for Signaling, Shri Mathur was instrumental in formulating key signaling policies and led major technological advancements. His extensive experience and contribution in the field of railway signaling continue to support the modernization and technological transformation of Indian Railways.

DMRC SIGNS MoU WITH MONASH UNIVERSITY, MELBOURNE (AUSTRALIA) FOR RAILWAY RESEARCH COLLABORATION

Source/DMRC- Delhi Metro Rail Corporation (DMRC) and Monash University (acting through its Institute of Railway Technology-IRT), Melbourne (Australia) signed a Memorandum of Understanding (MoU) to collaborate and jointly take-up metro rail research activities in the areas of advanced automation of rolling stock & track maintenance etc. The MoU was signed at Metro Bhawan by the authorised signatories of DMRC and IRT, Monash in the presence of senior officials from both the organisations. Under the ambit of this MoU, exchange programs between Monash University and Delhi Metro Rail Corporation Academy (DMRC Academy) may also be organised from time to time. DMRC Academy shall be the knowledge and training partner for all such activities. DMRC shall identify studies related to the metro system to be taken up through IRT, Monash University under specific contractual agreements, to be finalised on a case-to-case basis. Furthermore, other avenues shall also be explored pertaining to technical and research cooperation and for the competency building of metro engineers. This MoU marks a significant step forward in DMRC's collaboration with one of the world's leading railway technology institutes, enhancing DMRC's capabilities in key operational and maintenance areas. This association will also create new opportunities for future ventures, facilitating the exchange of technology and expertise to improve safety and reliability of train operations, as well as enhancing the passenger's travel experience.

Yoga for Harmony and Health: International Yoga Day Celebrated at New Pamban Bridge

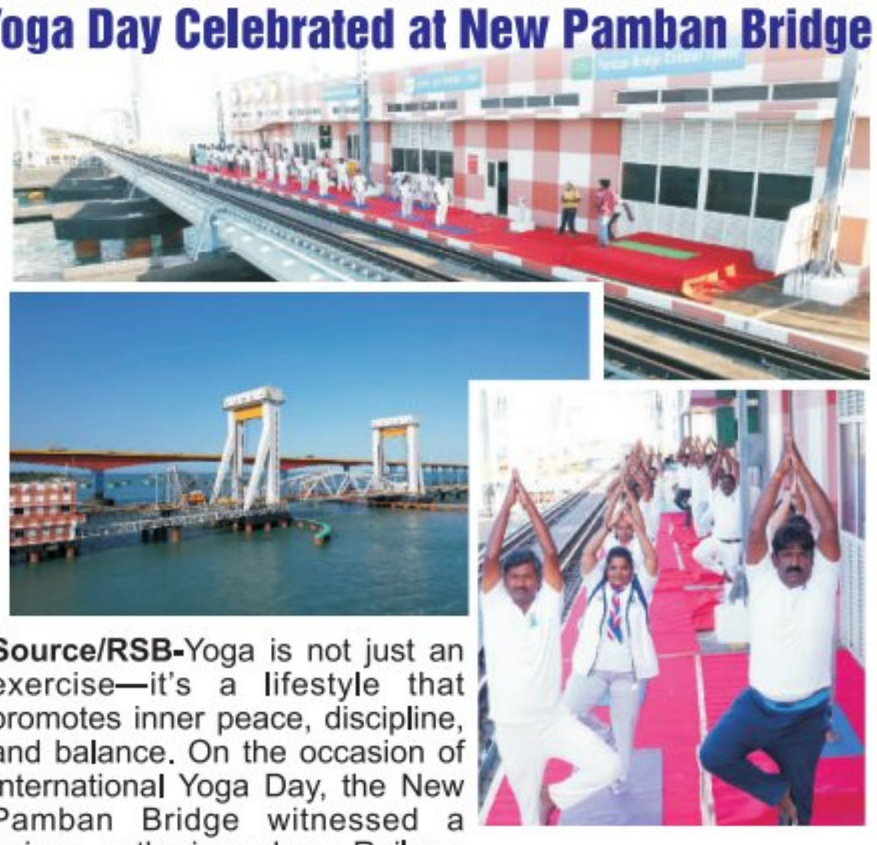

Source/RSB-Yoga is not just an exercise—it's a lifestyle that promotes inner peace, discipline, and balance. On the occasion of International Yoga Day, the New Pamban Bridge witnessed a unique gathering where Railway officers, staff, Scouts & Guides, and students came together to perform yoga amidst the serene coastal setting. The event beautifully reflected the spirit of "One Earth, One Health, One Future", reinforcing the message of global well-being through ancient Indian wisdom. The participation of diverse groups highlighted Indian Railways' commitment to promoting wellness, harmony, and a healthy way of living among its workforce and the community. Set against the iconic structure of the New Pamban Bridge, the celebration symbolized strength, unity, and the timeless relevance of yoga in modern life.

RVNL successfully constructs first-ever 3D-printed railway building in Indian Railways.

Source/RSB- In a landmark achievement, Rail Vikas Nigam Limited (RVNL), a Navratna PSU under the Ministry of Railways, has successfully constructed a 3D-printed Gangman Hut at Parvatipuram Railway Station (PVP) in Manyam district of Andhra Pradesh. This cutting-edge project marks the first-ever 3D-printed railway building in Indian Railways and Andhra Pradesh. Located under the Waltair Division of the East Coast Railway Zone, PVP station is a part of the ongoing Vizianagaram (VZM)–Titlagarh (TIG) third line project. This railway line aims to boost freight and passenger capacity, especially in light of growing industrial activity in the nearby regions. Unlike traditional brick-and-mortar construction, this Gangman Hut was created using a 3D concrete printer—a large robotic machine that prints structures layer by layer using specialized concrete materials. Advanced materials like Ultra-High Performance Concrete (UHPC) and Lightweight Concrete were used to enhance durability, reduce weight, and speed up the construction process. The hut serves as a shelter for track maintenance staff-known as gangmen-providing them with rest space, tool storage, & a work base. Spanning approximately 1,076 sq ft (100 sq m), the structure was completed in just 25 days.

Key Features and Innovations

- **Faster & Cleaner Construction:** Significantly reduces construction time & material waste, making it more environmentally friendly.
- **Advanced Design Capabilities:** Incorporates complex geometries, textured elevations, and wavy wall patterns that are difficult to achieve with traditional methods.
- **Virtual Tour Integration:** A virtual 3D walkthrough was developed to allow stakeholders to visualize the building before physical construction began.
- **Realistic Lighting Design:** Both natural and artificial lighting were strategically integrated to enhance functionality and ambiance.

This project will drastically change the way an infrastructure is constructed in the nation by creating new opportunities for the widespread use of 3D printing in future station buildings, shelters, offices, and housing across Indian Railways and beyond.

Commenting on this, Chairman & Managing Director RVNL, Sh Pradeep Gaur said : "RVNL has successfully done demonstration of this modern construction technology. This initiative could pave the way for broader adoption of 3D printing in low-cost, quick-build infrastructure projects across India. It represents a major step in modernizing construction practices and highlights RVNL's commitment to deploying cutting-edge technologies for developing modern infrastructure. Such technologies will, therefore, be key contributors to fast-track project execution ensuring sustainability and cost-effectiveness, as we develop a future-ready infrastructure"

Scanned with OKEN Scanner

क्षेत्रीय रेल उपयोग कर्ता परामर्श समिति सत्र 2024 -26 की प्रथम बैठक का आयोजन

सूत्र/रे.स.ब्यू- दिनांक 25.06.2025 क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्श समिति सत्र 2024 - 26 की प्रथम बैठक का आयोजन महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे श्री उपेंद्र चन्द्र जोशी की अध्यक्षता में प्रयागराज में आयोजित की गई। सर्वप्रथम उप महा प्रबंधक/सामान्य श्री रजत पुरवार ने सभी सदस्यों का स्वागत किया तत्पश्चात महाप्रबंधक महोदय ने माननीय सांसद हाथरस श्री अनूप प्रधान, माननीय सांसद राज्य सभा, श्रीमती सीमा द्विवेदी, माननीय सांसद फूलपुर श्री प्रवीण पटेल एवं माननीय विधायक सिरमौर श्री दिव्यराज सिंह एवं माननीय विधायक राठ श्रीमती मनीषा अनुरागी एवं अन्य सभी सदस्यों को प्लांटर भेंट कर उनका स्वागत किया। तत्पश्चात महाप्रबंधक महोदय ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुये उत्तर मध्य रेलवे की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया। महाप्रबंधक महोदय के संबोधन के पश्चात उप मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक एस के श्रीवास्तव ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से उत्तर मध्य रेलवे की उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला तत्पश्चात माननीय सांसद राज्य सभा, श्रीमती सीमा द्विवेदी,ने यात्री सुविधा में वृद्धि किए जाने, विकास कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण किए जाने एवं आरएसी सीट पर दोनों महिलाएं हों या दोनों पुरुष हो ऐसी व्यवस्था किए जाने का सुझाव दिया। माननीय सांसद फूलपुर श्री प्रवीण पटेल ने प्रयागराज रामबाग, झूसी, प्रयागराज संगम स्टेशन को उत्तर एवं मध्य रेलवे क्षेत्र के अंतर्गत किए जाने का सुझाव दिया मुंबई दुरंतो के दिन 02 दिन से बढ़ाए जाने एवं प्रयागराज, अयोध्या, काशी को जोड़ने वाली ट्रेन चलाये जाने एवं सूबेदारगंज स्टेशन का नाम बदलकर प्रयागराज कैंट स्टेशन किए जाने का सुझाव दिया एवं प्रयागराज से पुणे के लिए ट्रेन चलाने एवं प्रयागराज एक्सप्रेस के समानान्तर एक और ट्रेन चलाने का सुझाव दिया साथ ही प्रयागराज स्टेशन के विकास के साथ ही माननीय प्रधानमंत्री जी की सोंच विकास भी विरासत भी पर जोर देते हुये विरासत जैसे ब्रिक चिमनी आदि को सँजोने पर जोर दिया। तत्पश्चात माननीय विधायक राठ श्रीमती मनीषा अनुरागी ने राठ हमीरपुर को रेल यातायात से जोड़ने एवं विकास योजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने एवं RUB में पानी ना भरे इसका उपाय करने पर जोर दिया। माननीय विधायक सिरमौर श्री दिव्यराज सिंह डभौरा स्टेशन पर सिकंदराबाद एक्सप्रेस के ठहराव एवं डभौरा के पास एक अंडर पास बनाए जाने की मांग की। माननीय सांसद हाथरस श्री अनूप प्रधान जी ने हाथरस स्टेशन पर लखनऊ शताब्दी या बंदे भारत के ठहराव की मांग की साथ ही स्टेशन पर सीसीटीवी कैमरे लगाने एवं कोच डिस्प्ले की सुविधा प्रदान किए जाने की मांग की तथा सभी प्लेटफार्म पर एस्कलेटर लगाए जाने का सुझाव दिया। जेडआरयूसीसी के वरिष्ठ सदस्य श्री ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव नें प्रयागराज से पुणे के लिए ट्रेन चलाने एवं प्रयागराज एक्सप्रेस के समानान्तर एक और ट्रेन चलाने का सुझाव दिया साथ ही प्रयागराज से हावड़ा के लिए एक ट्रेन चलाने की मांग की तथा सूबेदारगंज स्टेशन का नाम बदलकर प्रयागराज कैंट स्टेशन किए जाने का सुझाव दिया। श्री कृष्ण गौतम ने चुनाव-चोपन रेल लाइन को बेहतर करने एवं एटा पैसेंजर के विस्तारी करण की मांग की कार्यक्रम की मांग की। मनीष अग्रवाल ने स्टेशन पर स्वच्छता बढ़ाने एवं मथुरा से आगरा एवं अयोध्या तक ट्रेन चलाने की मांग की। अतुल कुमार गुप्ता ने कुबेरपुर स्टेशन पर शेड एवं एप्रोच रोड बनाए जाने की मांग की। श्री संजय अग्रवाल ने कोसी कला मथुरा स्टेशन का विकास किए जाने पर जोर दिया। श्री भूप सिंह पाल ने आगरा फोर्ट स्टेशन पर कुछ और गाड़ियों का ठहराव किए जाने की मांग की राजन पाठक ने धार्मिक क्षेत्र की कनेक्टिविटी बढ़ाने हेतु विंध्याचल, अयोध्या ,काशी के लिए गाड़ी चलाये जाने का सुझाव दिया। श्री राजेश हजेला ने फर्रुखाबाद से आगरा एवं दिल्ली के लिए गाड़ी चलाने की मांग की। श्री टी एन अग्रवाल ने आगरा से सूरत गाड़ी चलाने एवं आगरा फोर्ट स्टेशन पर अन्य गाड़ियों के ठहराव की मांग की और यात्री सुविधा में वृद्धि की मांग की। श्री अरविंद कुमार तिवारी ने झांसी स्टेशन पर प्लेटफार्म की संख्या बढ़ाई जाने पर जोर दिया विवेक चतुर्वेदी ने टीकमगढ़ स्टेशन पर यात्री सुविधा में वृद्धि किए जाने पर जोर दिया और

उज्जैन से हावड़ा के लिए ट्रेन चलाने की मांग की। श्री राजीव पासवान ने सैयद सरावा-मुरतगंज के बीच RUB बनाए जाने की मांग की। श्री धीरज कुमार बंसल ने ग्वालियर शिवपुर कला ब्रॉड गेज को शीघ्रता से पूर्ण करने एवं यात्री सुविधा में वृद्धि किए जाने एवं सुरक्षा की दृष्टि से ट्रेनों में सीसीटीवी कैमरा लगाए जाने पर जोर दिया। श्री महेश गर्ग ने आगरा जिला की तहसील खेरागढ़ को रेल लाइन से जोड़ने की सलाह दी साथ प्रयाग स्टेशन का नाम बदलने का सुझाव दिया। डॉक्टर शिवाजी रामभाऊ शिंदे ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुविधा में वृद्धि किए जाने की मांग की साथ ही थर्ड जेंडर द्वारा यात्रियों को ट्रेन में परेशान करने का मामला उठाया और इस पर अंकुश लगाए जाने पर जोर दिया। डॉक्टर जुबेद उरहमान ने जेवर तक रेल लाइन की सुविधा प्रदान किए जाने एवं चोला स्टेशन पर गाड़ियों का ठहराव बढ़ाए जाने की मांग की। गोपाल प्रसाद शर्मा चन्द्र कान्त चतुर्वेदी ने यात्री सुविधा में वृद्धि किए जाने की मांग की। श्री सोहेल अहमद खान ने पानी की बचत किए जाने पर जोर दिया तथा रेलवे की खाली पड़ी जमीन पर कंपलेक्स बनाने पर जोर दिया इससे रेल राजस्व में बढ़ोतरी होगी साथ ही वर्षा के समय में निरंजन पुल में पानी न भरे इसकी उचित व्यवस्था करने पर जोर दिया। नीलम अग्रवाल ने दतिया स्टेशन पर यात्री सुविधा बढ़ाये जाने पर जोर दिया। श्रीमती संध्या गौतम ने टूंडला स्टेशन का कार्य शीघ्रता से पूर्ण किए जाने एवं सभी स्टेशन बेबी फीडिंग की सुविधा प्रदान किए जाने पर जोर दिया। देवेंद्र सविता ने आगरा कैंट स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर पांच की ओर नया स्टेशन भवन बनाने एवं दिव्यांग कोच की स्थिति स्पष्ट हो इस पर जोर दिया साथ दिव्यांग की सुविधा में वृद्धि किए जाने पर जोर दिया तथा सुरक्षा की दृष्टि से पार्किंग में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने पर जोर दिया। श्री अशोक कुमार तिवारी एवं संतोष कुमार जायसवाल ने चित्रकूट, बांदा, हमीरपुर के विकास पर जोर दिया एवं चित्रकूट से मैहर के लिए गाड़ी चलाने की मांग की। श्री शशांक सोनकर ने वंदे भारत एक्सप्रेस के दिन बढ़ाए जाने की मांग की। महाप्रबंधक महोदय ने सभी सदस्यों को आश्वस्त किया कि आप द्वारा दिये गए सुझाव को यथा संभव लागू करने का प्रयास किया जाएगा।

विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष रेलगाड़ियों के संचालन अवधि में विस्तार का निर्णय लिया गया है। यह रेलगाड़ियाँ अपने पूर्व निर्धारित समय, ठहराव, संरचना एवं मार्ग पर चलेंगी, जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

गाड़ी सं.	कहाँ से कहाँ तक	प्रस्थान का दिन	विस्तारित तिथि	
			से	तक
09117	उधना-सूबेदारगंज	शुक्रवार	04.07.2025	26.09.2025
*09118	सूबेदारगंज-उधना	शनिवार	05.07.2025	27.09.2025
*09075	मुम्बई सेन्ट्रल-काठगोदाम	बुधवार	02.07.2025	24.09.2025
*09076	काठगोदाम-मुम्बई सेन्ट्रल	गुरुवार	03.07.2025	25.09.2025
*09185	मुम्बई सेन्ट्रल-कानपुर अनवरगंज	रविवार	06.07.2025	28.09.2025
*09186	कानपुर अनवरगंज-मुम्बई सेन्ट्रल	सोमवार	07.07.2025	29.09.2025
*09039	उधना-धनबाद	शुक्रवार	04.07.2025	26.09.2025
*09040	धनबाद-उधना	रविवार	06.07.2025	28.09.2025
05045	लालकुआँ-राजकोट	रविवार	06.07.2025	31.08.2025
05046	राजकोट-लालकुआँ	सोमवार	07.07.2025	01.09.2025

महत्वपूर्ण सूचनाः- *गाड़ी संख्या 09075 मुम्बई सेंट्रल से दिन बुधवार को दिनांक 20.08.2025, 27.08.2025 एवं 03.09.2025, *गाड़ी संख्या 09076 काठगोदाम से दिन गुरुवार को दिनांक 21.08.2025, 28.08.2025 एवं 04.09.2025, *गाड़ी संख्या 09185 मुम्बई सेंट्रल से दिन रविवार दिनांक 24.08.2025, 31.08.2025 एवं 07.09.2025 तथा *गाड़ी संख्या 09186 कानपुर अनवरगंज से दिन सोमवार को दिनांक 25.08.2025, 01.09.2025 एवं 08.09.2025 को नहीं चलेगी।

*गाड़ी संख्या 09118 सूबेदारगंज-उधना का ग्वालियर स्टेशन पर समय में संशोधन किया गया है। इस गाड़ी का आगमन/प्रस्थान 04.05/04.10 के स्थान पर 04.30/04.35 पर होगा।

***गाड़ी संख्या 09039/09040 उधना-धनबाद-उधना को उधना-गया-उधना के स्थान पर धनबाद तक विस्तारित किया गया है।**
संशोधित समय सारणी निम्नवत् हैः-

गाड़ी सं. - 09039 उधना - धनबाद			गाड़ी सं. - 09040 धनबाद - उधना	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	22:00	उधना	09:40	----
16:00	16:02	मानिकपुर	13:00	13:02
19:50	20:00	प्रयागराज छिवकी	09:55	10:05
21:25	21:27	मिर्ज़ापुर	08:20	08:22
08:00	----	धनबाद	----	23:50

नोटः- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1146/25 (A)

Scanned with OKEN Scanner